(ख) यदि हां, तो अब तक कितनी प्रगति हुई है; और

(ग) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग). सवाल नहीं उठता ।

लहरिया सराय और कुशेश्वर के बीच रेलवे लाइन का बिछाया जाना

3635. **श्री केदार पस्वान** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि परिवहन साधनों के न होने के कारण पूर्वोत्तर रेलवे पर लहरिया सराय और कुशेश्वर के बीच यात्रा करने में लोगों को बड़ी कठिनाई होती है;

(ख) यदि हां, तो क्या इन दो स्थानों को रेल द्वारा जोड़ने का प्रस्ताव है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) इस प्रकार की कठिनाइयों के सम्बन्ध में अभी तक कोई अभ्यावेदन नहीं मिला है ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) धन की कमी के कारण निकट भविष्य में प्रस्तावित लाइन के निर्माण को पर्याप्त प्राथमिकता मिलने की सम्भावना नहीं है ।

नाइलोन के धागे का आयात

3636. **श्री बसवन्त** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1965-66 तथा 1966-67 में नाइलोन के कितने धागे का आयात किया गया और उस पर कितनी राशि व्यय की की गई;

(ख) 1967-68 में नाइलोन के कितने धागे का आयात करने का विचार है;

(ग) क्या देश में इस मांग को रेयन के धागे से पूरा किया जा सकता है; और

(घ) यदि हां, तो नाइलोन के धागे का और आयात करने का क्या प्रयोजन है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मन्त्री (श्री मुहम्मद शफ़ी कुरैशी) : (क)

	मात्रा (लाख कि० ग्रा० में)	मूल्य (करोड़ रु० में)
1965-66	26.16	2.68
1966-67	39.10	4.99

(ख) 6 करोड़ रुपये मूल्य के संश्लिष्ट धागे के लिये राज्य व्यापार निगम को दिये गये आयात लाइसेंस पर 1967-68 में 40 लाख कि० ग्रा० नाइलोन धागे का आयात किया जायेगा । अब 3 करोड़ रुपए का और नियतन किया गया है और इसके कुछ भाग का आयात मार्च 1968 तक किये जाने की आशा है ।

(ग) तथा (घ). कृत्रिम रेशम बुनाई उद्योग के लिये रेयन धागा तथा संश्लिष्ट (नाइलोन) धागे दोनों ही कच्चे माल हैं । रेयन धागे का स्वदेशी उत्पादन रेयन वस्त्रों की मांग को पूरा करने के लिये पर्याप्त है । परन्तु संश्लिष्ट (नाइलोन) धागे के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ाने के लिये इस प्रकार के धागे का आयात अपरिहार्य है ताकि बुनाई कारखानों, विशेषतः मिश्रित वस्त्रों का उत्पादन करने वाले कारखानों को पूर्ण रोजगार की व्यवस्था हो सके ।

बरौनी और कटिहार के बीच बड़ी रेलवे लाइन का बिछाया जाना

3637. **श्री लखन लाल कपूर** : क्या